Hindustan Times-New Delhi- 12-08-2011 - DTU

डीटीयू में सीनियर व फ्रेशर्स को दिए रैगिंग रोकने के टिप्स

नई दिल्ली | कार्यालय संवाददाता

दिल्ली टैक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी ने गुरुवार को एंटी रैंगिंग ड्राइव (जागरूकता और एक्शन प्लेन) पर वर्कशॉप का आयोजन किया। इस वर्कशॉप का उद्देश्य कैंपस के नए छात्रों को रैगिंग की परेशानी और इससे बचाव के प्रति जागरूक करना था। वर्कशॉप का आयोजन डीटीयू कैंपस के अंबेडकर ऑडिटोरियम में हुआ।

कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर प्रो पी. बी. शर्मा ने की। वर्कशॉप की शुरुआत करते हुए प्रोफेसर पी. बी. शर्मा ने नए और सीनियर छात्रों को बताया गया कि डीटीयू ने कई सालों से चली आ रही जीरो टोलेरेंस रैगिंग पॉलिसी को लागू कर दिया है। वर्कशॉप में सीनियर छात्रों को फ्रेशर्स के लिए फ्रेंडली और मददगार व्यवहार और फ्रेशर्स को पढ़ाई के प्रति फोकस रहने और कैंपस को रैगिंग फ्री बनाने में मदद पर जोर दिया।

प्रो. शर्मा ने बताया कि डीटीयू कैंपस में जीरो टोलेरेंस रैगिंग पॉलिसी को लागू करने के लिए हर तरह के इंतजाम कर लिए गए हैं। कैंपस के मेन गेट के साथ-साथ लड़के और लड़कियों के हॉस्टल गेट पर भी सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इसके अलावा यूनिवर्सिटी ने विश्वविद्यालय स्तर पर एंटी रैगिंग कमेटी भी बनाई है। एकेडमिक सेशन को रैगिंग फ्री रखने के लिए भी अलग-अलग विभाग स्तर पर एंटी रैगिंग कमेटी को गठित किया गया है। यही नहीं गर्ल्स और ब्वॉय हॉस्टल की एंटी रैगिंग कमेटी भी अलग से बनाई गई है।

इसके अलावा वर्कशॉप में दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोक्टर प्रो गुरुमीत सिंह, प्रो वाइस चांसलर प्रोफसर मोइन उद्दीन, चीफ कोर्डिनेटर प्रो प्रमोद कुमार, डीटीयू के प्रोक्टर प्रो विशाल वर्मा, डीटीयू रजिस्ट्रार यू. के. वोहरा और पूर्व प्रोक्टर डा. आर. एस. चौधरी मौजूद थे।

तुरंत सूचना दें

वर्कशॉप के आयोजक डॉ. एस. के. गर्ग ने कहा कि कोई भी छात्र अगर कैंपस या आउट ऑफ कैंपस रैगिंग की गतिविधि देखता है तो उसी समय किसी भी फैकल्टी को सूचित करे ताकि तुरंत कार्रवाई की जा सके। इस मौके पर फ्रेशर्स और सीनियर छात्रों ने विश्वविद्यालय के अपने अनुभवों को एक-दूसरे से बांटा। साथ ही वर्कशॉप में आए दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोक्टर प्रो गुरुप्रीत सिंह ने कई सालों से डीयू कैंपस को एंटी रैगिंग बनाने रखने के अपने अनुभवों को छात्रों से बांटा।